हँस और कछुआ के पाठ के माध्यम
से हम को यह सिख मिलतो को
हिंसा करना बुरी बात है अगर कछुआ
उसहोवे हिंसा नहीं करता तो वह बचता
असहोवे उसके हिंसा के कारण मरगार